Annual Report

April 2019 to March 2020

GMSSS

WORKING FOR SOCIAL CHANGE

District – Janjgir-Champa (c.g.)

Submitted By :

Grammitra Samaj Sevi Sanstha

Reg. Office : Kadam chowk, Post Champa 495671
Admin.Office : Ward No. 19, Sahid Smarak Road, Champa
Field Office : Hati Road Kartala (Korba)

Contact No. : 9424161505, 9303061505
Email ID – grammitracg@gmail.com

PRESIDENT
Grammitra Samaj Sevi Sanstha
Champa - 495671

Scanned by CamScanner

वार्षिक प्रगति प्रतिवेदन

वर्ष 2019–20

ग्राम मित्र समाज सेवी संस्था चाम्पा

बाल अधिकार – शिक्षा, कुपोषण एवं स्वास्थ्य

- परिचय – ग्राममित्र समाज सेवी संस्था पंजीकृत एक स्वैच्छिक संस्था है, जो कोरबा जिले के करतला एवं कोरबा विकासखंड के 19 ग्रामपंचायत अंतर्गत 34 गांव के 36 प्राथमिक स्कूल, 09 माध्यमिक शाला एवं 53 आंगनबाड़ी केन्द्रो में शिक्षा में व्याप्त असमानता को कम करने, स्वास्थ्य एवं कुपोषण पर और इसीप्रकार जिला जांजगीर–चांपा में ओद्योगिक क्षेत्रो के प्रवासी मजदूरो के स्वास्थ्य जांच एवं अन्य जागरूकता आदि पर कार्य कर रही है।
- उद्देश्य – शिक्षा के अधिकार कानून 2009 में निहित प्रावधानो के मापदंडो को जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में लागू करने और व्याप्त असमानताओ को समाप्त करने के आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए, साथ ही स्वास्थ्य के सुविधाओ के बेहतर क्रियान्वयन और कुपोषण को कम करने हेतु गांव के युवा शिक्षा मित्र, महिला मण्डल, शाला प्रबंधन समिति, स्वास्थ्य कार्यकर्ता अन्य स्वैच्छिक संस्था और कार्यकर्ताओ एवं समुदाय के साथ मिलकर प्रयास करना और सामुहिक भागीदारी को बढाना। समुदाय के मुद्दे को शासन के सामने लाना और उसको हल करने में मदद करना।
- क्रियान्वयन – उपरोक्त उद्देश्यो के अधार पर जिले में निम्न प्रयास किए गए नीचे स्पष्ट है–
  - जिसमें शिक्षा के क्षेत्र में शाला त्यागी बच्चो को पुनः स्कूल भेजने का कार्य किया गया ।
  - बच्चो को नियमित स्कूल भेजने हेतु प्रत्येक गांव के अभिभावको को बैठको के माध्यम से प्रोत्साहित किया गया।
  - गांवो में शाला प्रबंधन समिति का शिक्षा कानून के अधार पर गठन एवं पुर्नगठन किया गया।
  - शिक्षा के अधिकार अभियान के अंतर्गत सायकल यात्रा के माध्यम से जन जागरूकता सुनिश्चित किया गया।
  - इसी क्रम में जिले के दूरस्थ अंचलो के तरफ जनसमुदाय का शिक्षा के प्रति बहुत ही कमजोर विचारधारा है, ऐसे क्षेत्र में शाला प्रबंधन समिति सदस्य स्कूल में भागीदारी से कोसो दूर रहते थे, सत्र 2019–20 मे इन असमानता के विरूद्ध कार्य प्रारंभ करने से स्कूलों में एस.एम.सी. सदस्यो की बैठक और भागीदारी को बढ़ाने का प्रयास किया गया।

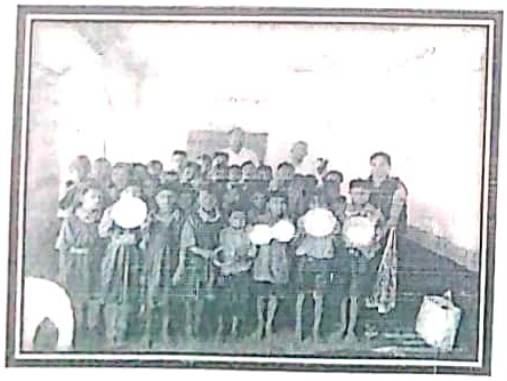

PRESIDENT
Grammitra Samaj Sevi Sanstha
Champa - 495671

Scanned by CamScanner

- **Major achievement** (Please give in results/achievement framework and not just mention of activities)

सत्र 2019–20 मे कार्यक्षेत्र के शिक्षक, शाला प्रबंधन समिति, युवा शिक्ष मित्र एवं सक्रिय समुदाय के सदस्यो द्वारा असमानता के विरूद्ध कार्ययोजना सुनियोजित कर प्रयास सुनिश्चित किया गया जिसके अंतर्गत कार्यक्षेत्र के गांवो मे नीचे दिये गए बिन्दुओ के अधार पर परिणाम देखने को मिला परंतु समुदाय एवं सक्रिय सदस्यो का मानना है कि किया गया प्रयास शिक्षा गूणवत्ता एवं सुधार की दिशा में अभी भी अधुरा है, इस पर और प्रयास करते हुए आगे बढ़ना है, स्कूलो के समान शिक्षा व्यवस्था कों हम अपने क्षेत्रो मे सामुहिक जागरूकता एवं प्रयास से लागू कर सकतें है।

❖ आंगनबाड़ी के क्षेत्र में –

मिनि ऑगनबाडी के नया भवन को पूर्ण कराना।	मिनि ऑगनबाडी केन्द्र नया भवन का निर्माण कार्य पूर्ण हो गया।
ऑगनबाडी केन्द्र मे नया भवन स्वीकृति कराना।	ग्राम में नया भवन का स्वीकृति हो गया हैं। निर्माण कार्य चल रहा है।
कार्यक्षेत्र के सभी 2 ब्लाक के ऑगनबाडी कार्यकर्ताओं को सेक्टर सुपरवाईजर के द्वारा प्रशिक्षण प्रोग्राम सुनिश्चित कराना है।	ग्राम मित्र संस्था के ओर से 2 ब्लाक के सभी 22 ऑगनबाडी कार्यकर्ताओं का ई.सी.सी.ई को लेकर दो दिवसीय प्रशिक्षण दिनॉक 13 व 14 दिसम्बर 2019 को दिया गया है

❖ शिक्षा के क्षेत्र में –

कार्यक्षेत्र के 16 गांव के सभी 14 से 18 वर्ष के शालात्यागी बच्चों को स्कूल एव ओपन स्कूल में प्रवेश सुनिश्चित कराना है।	कार्यक्षेत्र के 15 (बालक 06 बालिका 09) बच्चों को 10वी एवं 12वी में ओपन परीक्षा के लिए फार्म भरवाया गया ।
कार्यक्षेत्र के 10 एस0एम0सी0 द्वारा स्कूल विकास योजना बनाए यह सुनिश्चित करना है।	कार्यक्षेत्र के सभी एस.एम.सी. के द्वारा रजिस्टर अपडेट किया जा रहा है। जिसमें 02 गांव के पूर्व मा शा के एस.एम.सी. के द्वारा बच्चों के लिए वाटर फिल्टर लिया गया।
19 स्कूल के एस.एम.सी सदस्यों को आर.टी.ई. एक्ट पर क्षमतावृध्दि कराना।	कार्यक्षेत्र 48 एस.एम.सी सदस्यों का आर.टी.ई.एक्ट पर दिनॉक 10 व 11 दिसम्बर को प्रशिक्षण कराया गया
कार्यक्षेत्र के 20 ग्राम पंचायत के द्वारा स्कूल की कियात्मक एवं बच्चों की नियमितता और मिड डे मील एव अधोंसंरचना को लेकर नियमित निगरानी सुनिश्चित करवाना है।	कार्यक्षेत्र के 4 प्रा.शा. 02 मा0शा0 मे नया भवन का निर्माण कार्य पूर्ण हो गया है। साथ ही 14 ग्राम

01	कार्यक्षेत्र के 6 नवीन प्रा0शा0 स्कूल का निर्माण शासन से करवाया गया।
02	जिले में जन जागरूकता के माध्यम से 4 बाल विवाह पर रोका गया।
03	जिले के 9 प्राथमिक शाला में अहाता निर्माण कराया गया। साथ ही प्रा0शा0 एवं मा0शा0 के स्कूल में बच्चो की नियमित उपस्थिति में विगत वर्षो से इस वर्ष बढ़ोतरी हुई।
04	प्रा0शा0 कछार और चोरभट्ठी में शाला प्रबंधन समिति द्वारा LED के माध्यम डिजिटल शिक्षा प्रारंभ की गई।
05	प्राथमिक शिक्षा के बाद आगे की शिक्षा व्यवस्था न होने के कारण शाला त्यागी हो रहे बालक बालिकाओं को शिक्षा से जोडा गया। जिसमें जिले के 29 बालिका एवं 40 बालक शालात्यागी बच्चो को पुन नियमित किया गया।
06	कार्यक्षेत्र के 10 स्कूलो मे शाला प्रबंधन समिति का आटीई एक्ट 2009 के अधार पर पुर्नगठन किया गया। और शाला प्रबंधन समिति एवं युवा शिक्षा मित्रो के द्वारा स्कूल एवं आ0 बा0 केन्द्र के निगरानी से शिक्षको की अनियमितता मे कमी एव छात्रो की उपस्थिति बढी है।
08	पूरे कार्यक्षेत्र के स्कूल एव आगनबाडी की भौतिक आवश्यकता को पूरा करने के लिए विकासखड एव जिला स्तर पर एडवोकेसी हेतु टीम का चयन किया गया।

PRESIDENT
Grammitra Samaj Sevi Sanstha
Champa - 495671

Scanned by CamScanner

❖ कुपोषण एवं गर्भवती माताओ और किशोरी बालिका के स्वास्थ्य जांच के क्षेत्र में

सभी गर्भवती महिलाओं को टेटनस का इंजेक्शन लगे यह सुनिश्चित कराना है।	कार्यक्षेत्र के सभी 62 गर्भवती महिलाओं का ऑगनवाडी केन्द्रो में पंजीयन करा कर टेटनस (TT-1,TT-2) का इंजेक्शन लगाया जा रहा है।और उनका नियमित स्वास्थ्य जॉच करावया जा रहा है। साथ ही ऑगनवाडी केन्द्र में पोषण आहार दिया जा रहा है।
सभी गर्भवती महिलाओं को जननी सुरक्षा योजना के तहत लाभ दिलवाना यह सुनिश्चित करवाना है।	सभी गर्भवती महिलाओं को जननी सुरक्षा योजना का लाभ मिल रहा है।जिसमें कार्यक्षेत्र के इस क्वाटर मे 35 महिलाओं को जननी सुरक्षा योजना का लाभ मिला है।
53 ऑगनबाडी केन्द्र मे किशोरी बालिकाओं का हीमोग्लोबिन जॉच हो यह सुनिश्चित करवाना हैं। जुलाई, अक्टूबर, एवं जनवरी में हिमोग्लोबिन जॉच करा कर एनालिसिस रिर्पोट तैयार करना है।	किशोरी बालिकाओं का हिमोग्लोबिन जांच कराया गया। मई से सितम्बर में 131 और अक्टूबर से फरवरी में 55 किशोरी बालिकाओ का हिमोग्लोबिन जांच करवाया गया। इसप्रकार वर्ष में कुल 186 और इस सुविधाओ को संपूर्ण क्षेत्र मे लागू करने हेतु एडवोकेसी की गई।
10 ग्रामपंचायत एवं समुदाय के सांथ 35 आंगनबाड़ी केन्द्र की दस्तावेज को लेकर बैठक हो यह सुनिश्चित कराना है।	कार्यक्षेत्र के 10 ग्राम पंचायत के पंचायत प्रतिनिधि के द्वारा ऑगनबाडी केन्द्रो में जा कर वहा की समस्या को विभाग में दे रहे है। साथ ही समुदाय के किशोरी बालिकाओ और महिला मंडल को भी ऑगनबाडी केन्द्र में मिलने वाली सेवाओं का लाभ गांव के सभी हितग्रहीओं को मिले इसके लिए नियमित बैठक किया जा रहा है। कार्यक्षेत्र के 20 महला मंडल ,किशोरी बालिका,और पंच सरपंच को दिनॉक 28 व 29 दिसम्बर को ई.सी.सी.ई को लेकर प्रशिक्षण करवाया गया है।
35 ऑगनबाडी केन्द्र में किचन गार्डन उपलब्ध हो यह सुनिश्चित कराना है।	कार्यक्षेत्र के 22 ऑगनबाडी केन्द्रो में किचन गार्डन का संचालन किया जा रहा है। जिसमें 05 केन्द्रो में लगाया जा रहा है और 17 सहायिका के घर पर लगाया जा रहा है
कार्यक्षेत्र के 34 गॉव में गम्भीर से मध्यम में गए बच्चों कि संख्या का दस्तावेजीकरण सुनिश्चित करवाना है।	गम्भीर कुपोषित – 24 (बालक–14 बालिका–10) एन0आर0सी0 भर्ती 12 (बालक – 7 बालिका – 5)
.कार्यक्षेत्र के 34 गॉव में गम्भीर एवं मध्यम सें सामान्य में गए बच्चो कि संख्या का दस्तावेजीकरण सुनिश्चित करवाना है।	मध्यम कुपोषित – कुल–73 (बालक–38, बालिका–35) मध्यम से सामान्य– 48 (बालक– 22 बालिका – 26) इसप्रकार कार्यक्षेत्र के कुल 60 (31 बालिका 29 बालक) कुपोषित बच्चो को एन.आर.सी. भेजकर पोषण सुविधा उपलब्ध कराया गया।
कार्यक्षेत्र के सभी शिशुवती महिलाओं को जननी सुरक्षा का लाभ दिलवाना एवं पोषण आहार सुनिश्चित करवाना।	कार्यक्षेत्र के 16 के सभी 35 शिशुवती महिलाओ को जननी सुरक्षा का लाभ दिलवाया गया है।
चाईल्ड सेन्टर प्रशिक्षण सुनिश्चित कराना।	कार्यक्षेत्र के कुल 49 किशोरी बालिकाओ को चाईल्ड सेन्टर का प्रशिक्षण दिया गया है। जिसमें 45 माता पिता चाईल्ड सेन्टर में शामिल हुए और अपनी भागीदारी दियें।

PRESIDENT
Grammitra Samaj Sevi Sanstha
Champa - 495671

Scanned by CamScanner

➢ **Chalenges**

- कार्यक्षेत्र के 34 गांव जंगल क्षेत्रो मे होने के कारण सभी गांवो के सदस्यों का एक साथ बैठक में उपस्थित कर पाना एक बहुत बड़ी चुनौती है।
- विभिन्न गांवो के सदस्यों में अलग अलग विचारधारा होने के कारण जिला स्तर के बैठक में संगठनात्मक सहमति बनाने में कठिनाईयों का सामना करना पड़ता है।
- शिक्षकों की अनियमितता एवं स्कूल शिक्षा में पालको की भागीदारी बढ़ाना – कार्यक्षेत्र में शिक्षकों की अनियमितता होने के कारण बच्चों की शिक्षा स्तर में कमी दिखाई देती है।
- हाथी प्रभावित क्षेत्र होने के कारण गांव के बच्चे उच्च शिक्षा के लिए दूर पढ़ने नही जा सकते है।

➢ **Risk mitigation strategy** – उपरोक्त कठिनाईयो से निपटने के लिए सक्रिय युवा शिक्षा मित्र, महिला मण्डल एवं पंचायत प्रतिनिधियो के साथ मिलकर रणनीति तैयार किया गया है जिसमे –

- शिक्षा के अधिकार कानून के आधार पर कार्यक्षेत्र के चार स्कूल और आंगनबाड़ी को मॉडल बनाना
- पूरे कार्यक्षेत्र के स्कूल एवं आंगनबाड़ी की भौतिक आवश्यकता को पूरा करने के लिए जिला कलेक्टोरेट मे आवेदन दिया गया, एवं फालोअप किया जा रहा है।
- शाला प्रबंधन समिति एवं युवा शिक्षा मित्रो के द्वारा स्कूल एवं आ0 बा0 केन्द्र का निगरानी किया जा रहा जिसमे शिक्षको की अनियमितता में कमी एवं छात्रो की उपस्थिति बढ़ी है।
- निरंतर बैठक एवं प्रशिक्षण के माध्यम से पढे लिखे युवाओ एवं पुरूष सहभागिता को बढ़ाने का प्रयास किया जा रहा है।
- कार्यक्षेत्र में प्राथमिक शिक्षा के बाद आगे की शिक्षा व्यवस्था न होने के कारण शाला त्यागी हो रहे बालक बालिकाओं को हास्टल की सुविधा प्रदान करना।
- समान सुविधा ग्रामीण स्कूल के बच्चे प्राप्त कर सकें।

➢ **Way Forword** - शिक्षा से जुड़ी असमानता को कम करने के लिए अभी जिले के ग्रामीण क्षेत्रो एवं दुरस्थ वनांचल क्षेत्रो में जागरूकता लाने और सहभगिता के साथ कार्य करने की आवश्यकता है , जिससे कार्यक्षेत्र के स्कूलो में शिक्षा से जुड़ी समस्त सुविधाओ (पानी, बिजली, मध्यान भोजन, भौतिक संरचना या परिपूर्ण स्कूल एव आंगन बाड़ी केन्द्र, शैक्षणिक सामागी, अनुकुल वातावरण इत्यादि) को पूरा किया जा सके जिससे शहर और रोड से जुड़े स्कूलो की सुविधाओ के के समान सुविधा ग्रामीण स्कूल के बच्चे प्राप्त कर सकें

PRESIDENT
Grammitra Samaj Sevi Sanstha
Champa - 495671

Scanned by CamScanner

असमानता के खिलाफ युवा शिक्षा मित्र

➢ <u>जन वकालत संबंधित गतिविधियां</u> – क्षेत्र में व्याप्त विषमता और गैरबराबरी के मुददो एवं शिक्षा से जुड़ी अनेक विसंगतियों को दूर करने हेतु कार्यक्षेत्र के सक्रिय सदस्यो (महिला मण्डल, युवा शिक्षा मित्र, शिक्षक एवं शाला प्रबंधन समिति तथा शासकीय सेवको) द्वारा भिन्न भिन्न समय मे अनेक स्तरो पर एडवोकेसी सुनियोजित किया गया।

- इस क्रम में कार्यक्षेत्र के मुददो एवं समस्याओ को ग्राम पंचायत में ग्राम सभा एवं सरपंच तथा विकासखंड स्तर पर शासकीय अधिकारी एवं कर्मचारियो को अवगत कराया गया।
- जिला स्तर पर शिक्षा विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग, कलेक्टोरेट मे प्रयास किया गया, साथ ही क्षेत्र विधायक और अन्य जनप्रतिनिधियो के साथ भी प्रयास किया गया।
- उपरोक्त समस्त प्रयासो के फलस्वरूप कुछ सकरात्मक परिणाम प्राप्त हुए परंतु कई ऐसे मुददे और समस्याए है, जिन पर राज्यस्तरीय पहल एवं पहुंच स्थापित करने की आवश्यकता है, इस पर आगामी समय पर कार्य करने हेतु रणनीति बनाई गई है जिससे गुणवत्ता एवं सुविधायुक्त शिक्षा प्रयासो को आगे ले जा सके।

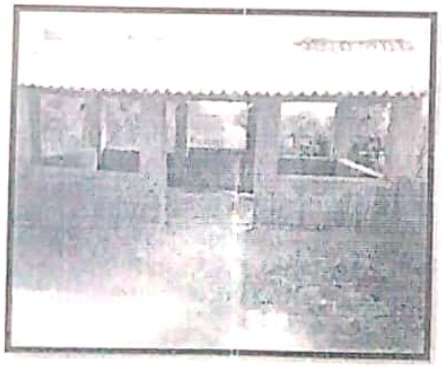

PRESIDENT
Grammitra Samaj Sevi Sanstha
Champa - 495671

Scanned by CamScanner

शिक्षा और स्वास्थ्य की प्राथमिकता का आवाहान पर परिचर्चा

संस्था द्वारा उपयोगी ज्ञान के प्रसार हेतु यस डेमोक्रेसी के अंतर्गत शिक्षा एवं स्वास्थ्य गुणवत्ता में सुधार एवं विकास की बात सबके साथ के उद्देश्य से जिला कोरबा मे एक जिलास्तरीय बैठक आयोजित किया गया जिसमें कोरबा लोकसभा क्षेत्र के विभिन्न ग्रामों (गेरांव, चचिया लुदूखेत, द्वारी, करतला, कोरबा, पाली, टिमनभौना, चोरभठ्ठी, बडमार) के मितानीन, पंचायत प्रतिनिधि, तथा स्वैच्छिक संस्थाओं (ग्राम मित्र, स्त्रोत संस्था, चाइल्ड लाईन, लक्ष्यगत हस्तक्षेप, जनहित संस्था, युवा संस्था को मिलाकर कुल 23 सदस्य शामिल हुए।

कार्यक्रम की शुरूवात सबके द्वारा समान्य परिचय के साथ किया गया । उसके बाद कार्यक्रम को मुख्य विषय से जोड़ते हुए यस डेमोक्रेसी द्वारा छ.ग. के प्रत्येक जिले में शिक्षा एवं स्वास्थ्य के गुणवत्ता सुधार एवं विकास के मुद्दो को लेकर की जा रही कैम्पेनिंग के बारे में अवगत कराया गया, साथ ही आम जनता एवं प्रत्याशियों से प्रतिबद्धता पत्र भरवाने के संबंध में भी जानकारियों का साझा किया गया। इसके बाद सुदेश कुंभकार द्वारा यस डेमोक्रेसी के शिक्षा एवं स्वास्थ्य के चार्टर ऑफ डिमांड को सभी के समक्ष पढ़कर सुनाया गया और इस पर सभी सदस्यों से सुझाव एवं विचार देने के लिए कहा गया। इस पर स्त्रोत संस्था के अध्यक्ष श्री डिक्सन मसीह जी ने कहा कि शिक्षा की स्थिति को बेहतर हम तभी बना सकते है जब गांवके सरकारी स्कूल को सरकारी न मानकर अपने गांव का स्कूल माने साथ ही गांव के प्रत्येक व्यक्ति स्कूल विजिट करे और वहां की जानकारी में भागीदारी निभाए, इसके अलावा ग्राम में जब भी ग्राम सभा किया जाता है तो उसमें स्कूल की समस्यों को लेकर चर्चा किया जायें। और गांव की किसी भी सभा में एस0एम0सी0 के सदस्य और बच्चों के माता पिता ,महिला मण्डल ,शिक्षको, को शामिल किया जाये डिक्सन जी ने सुझाव दिया कि गांव में सार्वजनिक स्थान पर एक श्यामपट (ब्लैकबोर्ड) रखा जाए, जहां पर लोग गांव के बारे में सुझाव एवं शिकायत को लिखें जिससे लोगों को इसकी जानकारी होगी और उसमें सुधार किया जाएगा। इसके बाद युवा संस्था से श्री अज़य श्रीवास्तव जी ने डिक्सन ज़ी के विचारों से जोड़ते हुए कहा कि शिक्षा एवं स्वास्थ्य की समस्या को लेकर जो भी पहल किया जाए उसे हमेशा लिखित ही करना चाहिए और जिस भी विभाग में इसे दिया जावें वहां से अवश्य ही पावती लेकर उसका फालोअप करते रहना चाहिए तभी इन मुद्दो को जमीनी स्तर पर बेहतर किया जा सकता है। इन्होने यह भी कहा कि गांव स्तर की समस्या को हम लोगो को उपलब्ध कराया जाए जिससे हम लोग जिला स्तर पर पैरवी कर इसका समाधान के लिए प्रयास कर सकें।

ग्राम पंचायत चचिया के लुदुखेत गांव के जनजाति अधिकार मंच के अध्यक्ष श्री पंचराम राठिया जो ने बताया कि हमारे गांव के स्कूलो में जो शिक्षक देर से स्कूल आते है उन्हें हम लोग सही समय पर आने के लिए कहते है और नही आने पर उनका शिकायत कर वेतन रोकवाने के लिए भी कहते है, जिससे शिक्षक समय पर स्कूल आतें है, परंतु फिर भी बच्चों को अभी भी गुणवत्तापूर्ण

शिक्षा नही मिल पा रहा है, इसके लिए ग्राम मित्र द्वारा वहां एक युवा को सपोर्ट क्लास के लिए नियुक्त किया गया है। ग्राम द्वारी के मितानीन श्रीमति जानकी पटेल के द्वारा भी स्वास्थ्य को और कैसे बेहतर करने पर विचार दिया गया इन्होने कहा कि गांव गांव में उप स्वास्थ्य केन्द्र खोला

PRESIDENT
Grammitra Samaj Sevi Sanstha
Champa - 495671

Scanned by CamScanner

गया है वहा डॉक्टरों की कमी रहती है वहां व्यवस्था किया जायें और उप स्वास्थ्य केन्द्र में खून जॉच करने के लिए के किट उपलब्ध हो ताकि ग्रामीण क्षेत्रों को परेशानी का सामना करना न पडें। जानकी जी ने शिक्षा पर कहा कि स्कूल की दूरी के कारण ग्रामीण क्षेत्रों के जो बालिका है, वे शालात्यागी होते जा रहें है, इस विषय को भी चार्टर डिमांड में शामिल करें। चोरभट्ठी देव कुमार ने कहा कि आदिवासी क्षेत्र के पहाडी कोरवा जाति समदाय को भी अच्छी शिक्षा एवं स्वास्थ्य मिल सकें साथ ही शिक्षा के प्रति कैसे उनकी रूची बढाया जायें इस पर भी चर्चा एवं प्रयास किया जाना चाहिए जिससे पहाडी कोरवाओं को भी आर0टी0ई0 के अनुसार स्कूल की व्यवस्था एवं स्वास्थ्य सुविधा सुनिश्चित हो सके।

ग्राम मित्र से मुनीव शुक्ला जी ने कहा कि शिक्षा को लेकर जो शासन के ओर से कानून बनाया गया है। उसमें हमारे गांव के कोई भी स्कूल में कानून के पैरामीटर के अनुसार कही भी संचालन नही किया जा रहा है। कही पानी पीने योग्य नही है, तो कही भवन की कमी है, तो कही शौचालय की कमी है, और भी कई सुविधाए की कमी है, जो पैरामीटर के अनुसार पूरा नही है। उसे हम सभी ग्रामीणो और जितने भी समाज सेवी संस्था है, उनको मिलकर इन समस्याओ के प्रति शासन को लिखित रूप से अवगत कराने की आवश्यकता है। ताकि आर0टी0ई0 के पैरामीटर के अनुसार बेहतर संचालन ग्रामीण क्षेत्रों में किया सकें।

भोजनावकाश के बाद बैठक में उपस्थित सभी ग्राम एवं संस्था के सदस्यों द्वारा प्रतिबद्धता पत्र पर हस्ताक्षर किया गया, उसके बाद उपस्थित सदस्यों की दो समूह बनाया गया जिसमें एक समुह भारतीय जनता पार्टी के कार्यालय में वर्तमान सांसद श्री बंशीलाल महतो को यस डेमोक्रेसी के शिक्षा एवं स्वास्थ्य मुद्दो से अवगत कराया गया और उन्हें चार्टर ऑफ डिमांड की एक प्रति प्रदान की गयी। एवं दुसरा समूह कांग्रेस पार्टी कार्यालय गए, जहां कार्यालय एवं जिला प्रमुख श्री सुरेश जी को यस डेमोक्रेसी की चार्टर ऑफ डिमांड सौपा गया।

PRESIDENT
Grammitra Samaj Sevi Sanstha
Champa - 495671

Scanned by CamScanner

लक्ष्यगत हस्तक्षेप परियोजना

➢ Major Achievement during project implementation

- वन–टू–वन :–सभी हॉट–स्पॉट साइड में ओ.आर.डब्ल्यू. द्वारा 12610 वन–टू–वन किया गया।
- जी डी :–सभी हॉट–स्पॉट क्षेत्रों में ओ.आर.डब्ल्यू द्वारा 728 समूह चर्चा कि गई।
- कंडोम डेमो एवं रिडेमो :–सभी हॉट–स्पॉट साइड में कंडोम डेमो 12450 व 12450 रिडेमो किया गया।
- परामर्श :–अब तक एच.आई.व्ही., एस.टी.आई. आर.टी.आई., एब्सेस को लेकर डी.आई.सी. एवं हॉट–स्पॉट क्षेत्र में 5153 परामर्श किया जा चुका है।
- यौन संक्रमण का उपचार :– जांजगीर चांपा जिले में प्रवासी के मध्य 1 वर्षो में यौन जनित रोगों की गुणवत्तायुक्त उपचार एवं काउंसलिंग सुविधा उपलब्ध कराने हेतु संस्था द्वारा निम्न प्रयास किए गए – अब तक एस.टी.आई. आर.टी.आई. के उपचार हेतु 3 पी.पी.पी. डॉ. रमाकांत राठौर, डॉ. कपूर एवं डॉ. अमित दुबे के द्वारा अब तक 237 एक दिवसीय स्वास्थ्य परीक्षण शिविर कराया गया उपरोक्त कार्यक्रम के संचालन के पश्चात अधिकतर प्रवासी मजदूरों में स्वास्थ्य एवं एच.आई.व्ही./एड्स एवं एस.टी.आई./आर.टी.आई. के संबंध मे जागरुकता आई है। व उनके द्वारा संस्था के इस कार्यक्रम मे सहयोग एवं सराहना कि जा रही है।
- सामूदायिक गतिशिलता :–जांजगीर चांपा एवं कोरबा जिले में 11702 प्रवासी मजदूरों का पंजीयन किया गया साथ ही कम्युनिटी मोबलाइजेशन एवं ऑनरशिप के प्रति संवेदनशील बनाने हेतु निम्न प्रयास किए गए – इसके अंतर्गत प्रत्येक हॉट स्पाट मे प्रतिमाह हेल्थ कैंप, ग्रुप इवेंट, नुक्कड नाटक, वी.पी.एल मिटिंग और ओ.आर.डब्लु द्वारा माइग्रेंड के बिच कान्डोम डेमो रिडेमो किया जाता था। अब तक संस्था द्वारा प्रवासी मजदूरों के बिच इवेंट का आयोजन किया जा चुका है प्रत्येक इवेंट मे लगभग 50 प्रतिशत एच.आर.जी उपस्थित हुए। जिससे संस्था के प्रति उनके विश्वास मे वृद्धि हुइ एवं संस्था के द्वारा किए जा रहे कार्यो का सराहना करते हुए आगे भी पूर्ण सहयोग प्रदान करने कि बात कही गई। इस क्षेत्र के एच.आर.जी. प्रवासी मजदूरों अपने आप में इतने सक्षम हो गये हैं कि अपने कार्य को सामजस्य से टी.आई परियोजना के ओ.आर. डब्लू के साथ चर्चा कर अपनी समस्या का निवारण करते हैं ।

PRESIDENT
Grammitra Samaj Sevi Sanstha
Champa - 495671

Scanned by CamScanner

- **सक्षम वातावरण निर्माण** :– जांजगीर चांपा जिले में 15000 प्रवासी मजदूरों के टी.आई. कार्यक्रम के संचालन के लिए अनुकूलित वातावरण निर्माण करने हेतु निम्न प्रयास किए गए -- इसके अंतर्गत स्टेक होल्डर का चयन किया जा चुका है जिसमे पूरे क्षेत्र में स्टेक होल्डर, वी.पी.एल के माध्यम से एवं ग्रुप इन्टर के माध्यम अनुकुल वातावरण का निर्माण करने में सफल हुए। प्रतियोगिता में अपने मजदूरों का मनोबल बढांने के लिए प्रतियोगिता में सहभागिता निभाया गया जिससे एकल पुरूष प्रवासी के बीच सक्षम वातावरण का निर्माण हुआ ।

- **संदर्भ सम्पर्क एवं जुड़ाव** :–योजना क्षेत्र के 15000 प्रवासी मजदूरों को लक्षित हस्तक्षेप कार्यक्रम एवं एचआईवी/एड्स/स्वास्थ्य सुविधाओं के साथ जोडना परियोजना से संबंधित लगभग सभी विभागो से संपर्क स्थापित किया जा चुका है। अप्रैल 2019 मार्च 2020 तक एच.आई.व्ही. जांच हेतु 5836 रिफर किए गए जिसमें 4978 लोगो ने जांच करवाया व 2 एच.आई.वी. पॉजिटिव पाये गये। 48 एस.टी.आई का ट्रिटमेंट किया गया।

- मानिटरिंग एवं इवेल्यूशन :– जांजगीर चांपा जिले में 15000 प्रवासी मजदूरों के लिए गुणवत्ता युक्त देखरेख एवं मूल्यांकन व्यवस्था निश्चित करना। संस्था में ओ.आर.डब्लू एवं वी.पी.एल के मानिटरिंग हेतु प्रति सप्ताह समीक्षा बैठक की जाती है तथा परियोजना निर्देशक द्वारा स्टाफ के सभी सदस्यों के साथ प्रतिमाह समीक्षा बैठक की जाती है। जिसमे इस माह के किए गए कार्यो कि समीक्षा कर आगामी माह के लिए मासिक आउट रीच प्लानिंग की जाती है तथा उसे परियोजना निर्देशक से मान्यता ली जाती है।

PRESIDENT
Grammitra Samaj Sevi Sanstha
Champa - 495671

Scanned by CamScanner